श्री कलराज मिश्र

माननीय राज्यपाल, राजस्थान का उद्‌बोधन

माइक्रो स्मॉल मीडियम एन्टरप्राइजेज समिट

दिनांक – 07 नवम्बर, 2019 समय – प्रात : 10.30 बजे

स्थान – होटल रॉयल ऑर्किड, दुर्गापुरा, जयपुर

माननीय उद्योग मंत्री श्री परसादीलाल मीणा जी, श्री रवि सिंगदासु जी, श्री ज्योति प्रकाश गाडिया जी, श्री रणधीर विक्रम सिंह जी, श्री अतुल शर्मा जी, श्री रजनीश सिंघवी जी, भाइयो, बहनो, मीडिया के प्रतिनिधिगण और फोटोग्राफर बन्धुओ।

माइक्रो स्मॉल मीडियम एन्टरप्राइजेज समिट के तीसरे संस्करण में आप सभी के बीच आकर मैं, प्रसन्न हूँ। कृषि क्षेत्र के बाद एमएसएमई भारत का दूसरा सबसे बड़ा रोजगार सृजन क्षेत्र है। यह सिर्फ 20 प्रतिशत निवेश के साथ उद्योग में 80 प्रतिशत रोजगार प्रदान करता है। यह सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 31 प्रतिशत और कुल निर्यात और विनिर्माण उत्पादन में 45 प्रतिशत और 34 प्रतिशत हिस्सेदारी का योगदान देता है।

पूरे देश में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन और रोजगार के महत्वपूर्ण स्तरों की राष्ट्रीय अनिवार्यता को पूरा करने के लिए एमएसएमई का विकास अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह नए युग के उद्यमियों के विकास का पोषण और समर्थन कर सकता है, जो भारत से विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी व्यवसाय की क्षमता रखते हैं।

इस सेक्टर में युवाओं के भागीदार होने के साथ रिसर्च और नए प्रयोगों की बेहद जरूरत है। हमें विकास के लिए वैश्विक स्तर पर विकसित नई तकनीकों को भी इस सेक्टर में शामिल करना होगा।

एक नए एमएसएमई बिजनेस ईको सिस्टम का विकास करना चाहिए, जो उन उद्योगों को समर्थन प्रदान करें, जो घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में सही उत्पाद, सही गुणवत्ता, सही समाधान और प्रतिस्पर्धी मूल्य पर सही सेवा प्रदान करते हों।

केन्द्र और राज्य सरकार दोनों को इस क्षेत्र के महत्व का एहसास है और इस क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के गंभीर प्रयास हुए हैं। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का सपना है कि भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर (करीब 345 लाख करोड़ रूपये) के पार हो। श्री मोदी जी का यह सपना तभी पूरा होगा, जब हम सब मिलकर इन सभी छोटे–बड़े उद्योगों को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दें और मिलकर काम करें।

उद्योग आधार मेमोरेन्डम, जीरो डिफेक्ट और जीरो इफेक्ट एमएसएमई के पुनर्रूद्धार और पुनर्वास की रूपरेखा बनाने के लिए आवश्यक है।

एमएसएमई डेटा बैंक, केन्द्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली, एमएसएमई समाधान, विलंबित भुगतान के लिए एमएसएमई सम्बन्ध, पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल, क्रेडिट लिंक्ड कैपिटल सब्सिडी स्कीम आदि प्रयास भविष्य में इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए रास्ता तय करेंगे।

विचारों को साझा करने का अवसर मुझे प्रदान करने के लिए फिक्की को धन्यवाद देना चाहता हूँ। मुझे यकीन है कि आज का कार्यक्रम एमएसएमई से सबंधित मुद्दों और समाधानों पर एक सार्थक दृष्टिकोण प्रदान करेगा।

मैं एमएसएमई क्षेत्र के मुद्दों और आवश्यकताओं को पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन देता हूँ और समाधान में सहयोग के लिए तैयार हूँ।

धन्यवाद। जय हिन्द।